आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 02.08.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "भगवदगीता का जीवन में महत्व" के विषय पर श्री सत्यजीत रॉय, वैज्ञानिक 'बी' द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया । #आजादीकाअमृतमहोत्सव

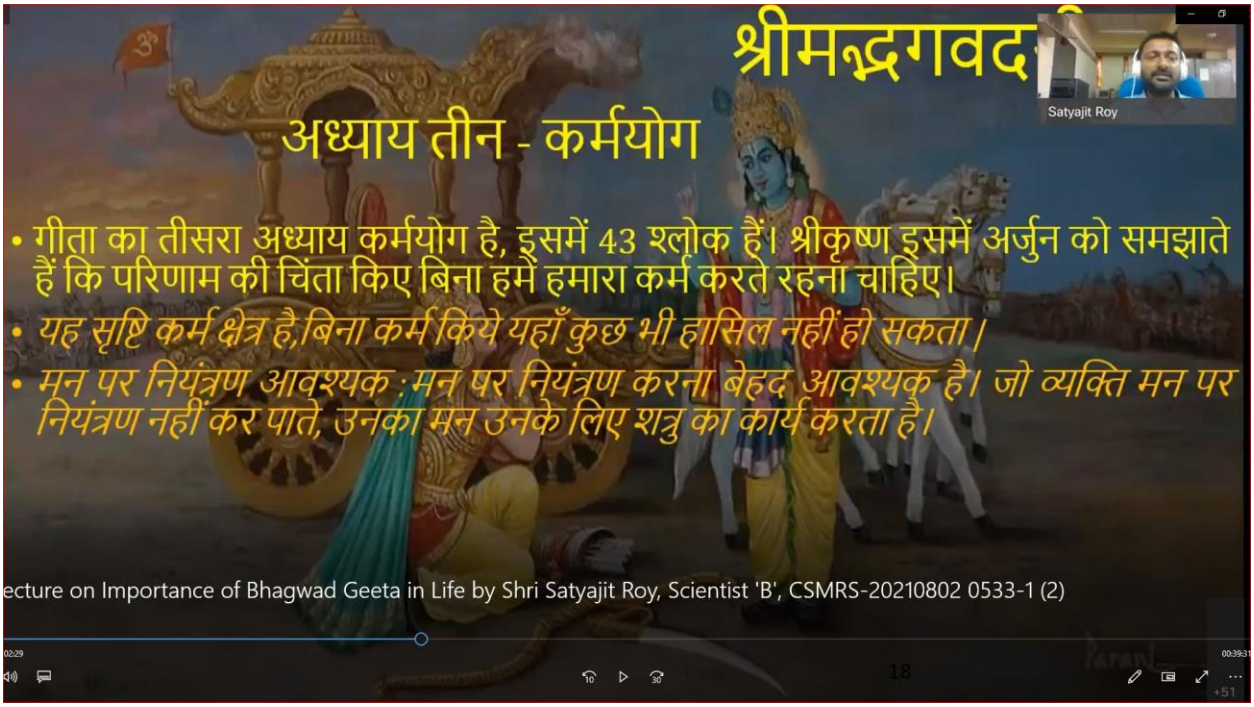

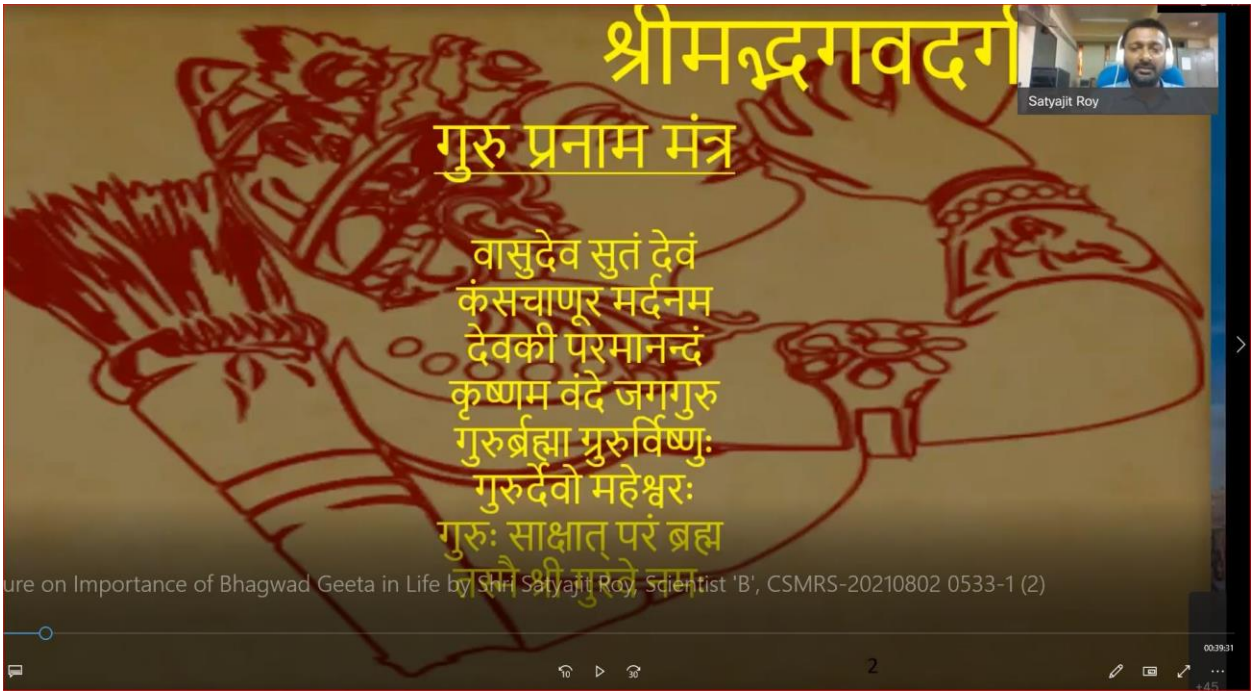

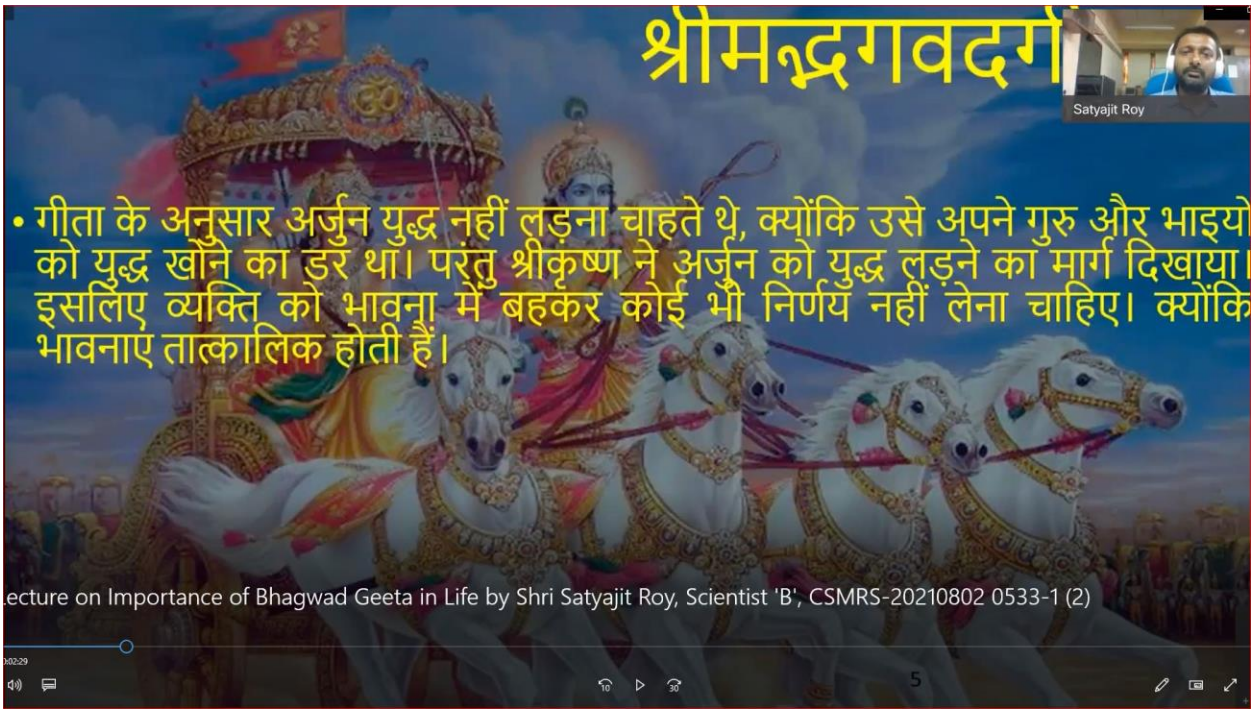
श्रीमद्भगवदगी
Satyajit Roy
• गीता के अनुसार अर्जुन युद्ध नहीं लड़ना चाहते थे, क्योंकि उसे अपने गुरु और भाइयो
को युद्ध खोने का डर था। परंतु श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध लड़ने का मार्ग दिखाया।
इसलिए व्यक्ति को भावना में बहकर कोई भी निर्णय नहीं लेना चाहिए। क्योंकि
भावनाएं तात्कालिक होती हैं।
ecture on Importance of Bhagwad Geeta in Life by Shri Satyajit Roy, Scientist 'B', CSMRS-20210802 0533-1 (2)
5

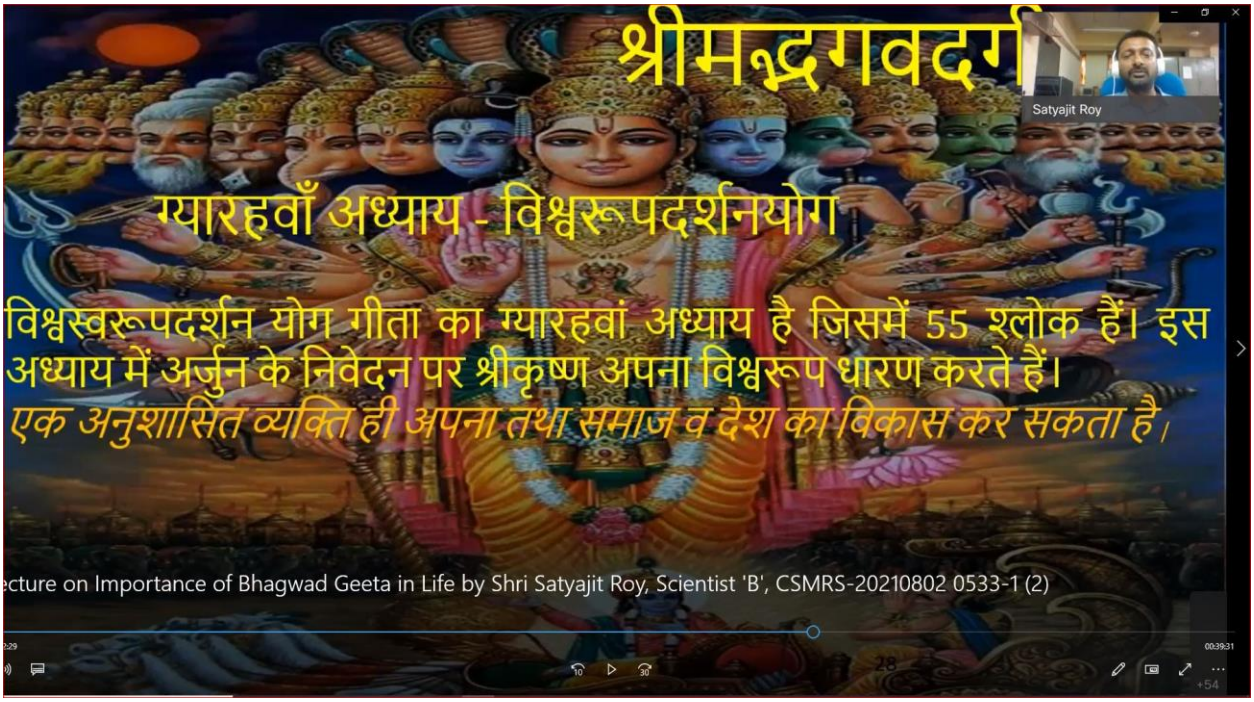
श्रीमद्भगवदगी
Satyajit Roy
ग्यारहवाँ अध्याय - विश्वरूपदर्शनयोग
विश्वस्वरूपदर्शन योग गीता का ग्यारहवां अध्याय है जिसमें 55 श्लोक हैं। इस
अध्याय में अर्जुन के निवेदन पर श्रीकृष्ण अपना विश्वरूप धारण करते हैं।
एक अनुशासित व्यक्ति ही अपना तथा समाज व देश का विकास कर सकता है।
ecture on Importance of Bhagwad Geeta in Life by Shri Satyajit Roy, Scientist 'B', CSMRS-20210802 0533-1 (2)
28